अध्याय–1
सामान्य समीक्षा

1.1.1. भारत जैसे देश में जानकारी तक लोगों की पहुंच के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। हमारे देश में प्रिंट मीडिया लोकतांत्रिक प्रणाली के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। 31 मार्च, 2020 तक भारत में 1,43,423 प्रकाशन (समाचारपत्र और पत्रिकाएं) पंजीकृत किए गए हैं, जो प्रिंट मीडिया की निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। पंजीकृत प्रकाशनों की संख्या में वृद्धि होना इस बात का सूचक है कि श्रव्य, दृश्य और डिजिटल मीडिया के प्रसार ने प्रिंट मीडिया के अस्तित्व और वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डाला है। यह आम नागरिक को अपने अधिकारों का दावा करने और लोकतंत्र को मजबूत करने में भाग लेने के लिए सशक्त बनाता है।

1.1.2. प्रिंट मीडिया ने अपने आधुनिक दृष्टिकोण के साथ नए परिवर्तनों और चुनौतियों का उचित तरीके से सामना किया है। इसने सूचना प्रौद्योगिकी को अपनाया है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक गति और सस्ती कीमत के साथ बेहतर कवरेज मिला है। हालांकि, प्रिंट मीडिया की पाठक संख्या में नकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है।

1.1.3. आंकड़े बताते हैं कि पाठकों के बीच क्षेत्रीय भाषा के प्रकाशनों के प्रति बहुत आत्मीयता है और यही कारण है कि इन प्रकाशनों के संस्करण उन शहरों से निकाले जा रहे हैं जहां संबंधित भाषाएं बोलने वालों की बड़ी आबादी है।

1.1.4. प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, की धारा 19 (घ) के प्रावधान के तहत, सभी पंजीकृत प्रकाशनों (समाचारपत्रों और पत्रिकाओं) के प्रकाशकों को भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक– आरएनआई को अपना वार्षिक विवरण प्रस्तुत करना आवश्यक है। ये विवरण इस रिपोर्ट को संकलित करने में शामिल डेटा का प्रमुख स्रोत है। सभी प्रकाशक अपना वार्षिक विवरण आरएनआई में दाखिल करने के अपने वैधानिक दायित्व को पूरा करने में रुचि नहीं ले रहे हैं, हालांकि आरएनआई ने विवरण दाखिल करने की ऑनलाइन व्यवस्था की है। इस वर्ष केवल 22.92 प्रतिशत प्रकाशकों ने अपने वार्षिक विवरण ऑनलाइन प्रस्तुत किए हैं, इसलिए, इस रिपोर्ट को सर्वसमावेशी नहीं माना जा सकता है। यह भारतीय प्रेस में सामान्य प्रवृत्ति का केवल स्थूल विवरण प्रस्तुत कर सकता है जो प्रकाशनों की प्रसार संख्या के दावे पर आधारित है।

1.1.5. 2019–20 के दौरान, कुल 1,498 नए प्रकाशन पंजीकृत किए गए थे। 31 मार्च, 2020 तक, 1,43,423 पंजीकृत प्रकाशन थे जबकि मार्च, 2019 के अंत में 1,19,995 प्रकाशन पंजीकृत थे। पंजीकृत प्रकाशनों की संख्या में यह वृद्धि स्वचालित प्रणाली अपनाने के प्रयासों में प्रक्रिया जांच के दौरान इस वर्ष आरएनआई में विभिन्न रिकॉर्डों के अद्यतन किए जाने के कारण हुई है। प्रकाशनों की कुल प्रसार संख्या 2018–19 में प्रति प्रकाशन दिवस 52,05,14,168 प्रतियों से घटकर 2019–20 में 43,99,29,769 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस हो गई। वर्ष 2019–20 के लिए आरएनआई में पंजीकृत प्रकाशकों से ऑनलाइन प्राप्त किए गए वार्षिक विवरणों की संख्या 32,883 थी (इसमें 203 'विविध' प्रकाशन शामिल हैं, अध्याय 10 में 2018–19 में 37,942 के मुकाबले इनका अलग से विश्लेषण किया गया है)।

दैनिक प्रकाशनों का विश्लेषण

1.2.1. प्राप्त वार्षिक विवरणों के अनुसार, देश में प्रकाशित होने वाले दैनिक समाचारपत्रों की संख्या 2018–19 के 10,167 के मुकाबले 2019–20 में 9,840 थी। दैनिक समाचारपत्रों की प्रसार संख्या के दावे के अनुरूप इनकी संख्या प्रति प्रकाशन दिवस 29,15,35,681 से घटकर 25,84,22,000 प्रतियां हो गई। इस प्रकार इसमें 11.36 प्रतिशत की गिरावट आई। हिंदी में 4322 दैनिक समाचारपत्र थे जिनका 11,48,55,520 प्रतियों की प्रसार संख्या का दावा था। तेलुगू के 1133, उर्दू के 1,132 और अंग्रेजी के 841 दैनिक समाचारपत्र थे जिनका प्रति प्रकाशन दिवस को क्रमशः 1,77,74,215, 2,15,10,915 और 2,97,89,705 प्रतियों के प्रकाशन का दावा था *(अध्याय 6, सारणी 6.4)*

1.2.2. दैनिक समाचारपत्रों द्वारा अपने कामकाज और संगठन के बारे में दी गई जानकारी का विश्लेषण अध्याय 6 में देखा जा सकता है।

आवधिकों का विश्लेषण

1.3.1. 2019–20 के लिए वार्षिक विवरण दाखिल करने वाले 32,883 प्रकाशनों में से, अधिकांश भारतीय प्रकाशन यानी 22,803 (69.34 प्रतिशत) पत्रिकाएं थीं। प्रसार संख्या का विवरण इन 22,803 पत्रिकाओं द्वारा दिया गया था, जिन्होंने प्रति प्रकाशन दिवस 18,09,88,756 प्रतियों की कुल प्रसार संख्या का दावा किया था। उनमें से 11,231 साप्ताहिक, 7,398 मासिक, 3,016 पाक्षिक, 651 त्रैमासिक, 114 वार्षिक और 393 अन्य सावधिक प्रकाशन थे। *(अध्याय 7, सारणी 7.3)*

1.3.2. प्रति प्रकाशन दिवस पत्रिकाओं की प्रसार संख्या 2018–19 की 22,89,78,487 प्रतियों से घटकर 2019–20 में 18,09,88,756 प्रतियां हो गई। इनमें 11,231 साप्ताहिक, 7,398 मासिक, 3,016 पाक्षिक, 651 त्रैमासिक और 114 वार्षिक प्रकाशनों की प्रतियां थीं। *(अध्याय 7, सारणी 7.3)*

भाषावार विश्लेषण

1.4.1. अधिकांश प्रकाशन अंग्रेजी और भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 मुख्य भाषाओं में थे, जबकि कुछ अन्य 166 भाषाओं / बोलियों और कुछ विदेशी भाषाओं में भी पंजीकृत थे। एक साथ एक से अधिक भाषाओं में प्रकाशित किए गए प्रकाशनों को द्विभाषी और बहुभाषी प्रकाशनों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। *(परिशिष्ट–II)*

1.4.2. 2019–20 के लिए प्रकाशकों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक विवरणों के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक संख्या हिंदी (16,111) और उसके बाद मराठी (2,573), अंग्रेजी (2,504), तेलुगू (2,375), गुजराती (1,926) उर्दू (1,727), कन्नड़ (1,118), तमिल (857), बांग्ला (545), उड़िया (435) और मलयालम (345) आदि प्रकाशनों की है। *(अध्याय 3, सारणी 3.1)*

1.4.3. प्रसार संख्या के संदर्भ में, हिंदी प्रकाशनों की प्रतियों की संख्या सबसे अधिक यानी 20,14,33,695 प्रतियां, इसके बाद अंग्रेजी (5,32,08,297), मराठी (3,47,59,281), तेलुगू (2,75,64,658) उर्दू (2,62,41,593), गुजराती (2,18,56,199), और उड़िया (1,06,53,378) प्रकाशनों की प्रसार संख्या थी। *(अध्याय 4, सारणी 4.2)*

1.4.4. दैनिक समाचारपत्रों (जिन्होंने वार्षिक विवरण जमा किए) में, हिंदी में सबसे अधिक समाचारपत्रों का प्रकाशन किया गया। इनकी संख्या 4,322 थी। इसके बाद तेलुगू में 1,133 समाचारपत्र प्रकाशित किए गए। जिन भाषाओं में 100 से अधिक दैनिक समाचारपत्र प्रकाशित किए गए वे हैं– उर्दू (1,132), अंग्रेजी (841), मराठी (612), कन्नड़ (549), गुजराती (408), द्विभाषी (167), तमिल (176), मलयालम (135) और उड़िया (128)। प्रसार संख्या–वार, हिंदी दैनिक समाचारपत्रों ने प्रति प्रकाशन दिवस पर 11,48,55,520 प्रतियों के प्रकाशन के दावे के साथ अपना दबदबा बनाए रखना जारी रखा है, जिसके बाद 2,97,89,705 प्रतियों के साथ अंग्रेजी भाषा के समाचारपत्रों का स्थान है। *(अध्याय 3, सारणी 3.1 और अध्याय 4, सारणी 4.2)*

राज्यवार विश्लेषण

1.5.1. 2019–20 के दौरान, सबसे अधिक प्रकाशन (जिन्होंने वार्षिक विवरण जमा किए) उत्तर प्रदेश (5,851) से रहे। इसके बाद मध्य प्रदेश (5,217), महाराष्ट्र (3,951), दिल्ली (2,231), आंध्र प्रदेश (2,085), गुजरात (2,150), उत्तराखंड (1,863) और राजस्थान (1,684) का स्थान रहा। *(अध्याय 3, सारणी 3.2)*

1.5.2. प्रसार संख्या के संदर्भ में, उत्तर प्रदेश में प्रकाशित होने वाले कुल प्रकाशनों की प्रसार संख्या प्रति प्रकाशन दिवस 7,39,46,739 प्रतियों के साथ, सबसे अधिक थी। इसके बाद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और दिल्ली का स्थान रहा जहां यह संख्या क्रमशः 5,95,54,816, 5,09,55,573 और 3,58,66,346 प्रतियां थीं। *(अध्याय 4, सारणी 4.3)*

1.5.3. प्रकाशनों (जिन्होंने वार्षिक विवरण जमा किए) की संख्या के मामले में, उत्तर प्रदेश ने 2,140 दैनिक प्रकाशनों के साथ अपनी बढ़त बनाए रखी। इसके बाद मध्य प्रदेश (1,230), आंध्र प्रदेश (998), महाराष्ट्र (862), कर्नाटक (618), दिल्ली (576) और गुजरात (508) का स्थान रहा। दैनिक समाचारपत्र सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से प्रकाशित किए गए थे। *(अध्याय 3, सारणी 3.2)*

1.5.4. यहां तक कि दैनिक समाचारपत्रों की प्रति प्रकाशन दिवस प्रसार संख्या के मामले में भी उत्तर प्रदेश 4,01,96,803 प्रतियों के साथ शीर्ष स्थान पर बना रहा। उसके बाद महाराष्ट्र का स्थान रहा जहां 3,59,63,238 प्रतियां प्रकाशित हुईं। मध्य प्रदेश में प्रकाशित प्रतियों की संख्या 2,88,51,629, आंध्र प्रदेश में 1,49,39,282, गुजरात में 1,41,29,068, दिल्ली में 1,81,73,254, राजस्थान में 1,34,73,126 और कर्नाटक में 95,44,733 थी। *(अध्याय 4, सारणी 4.3)*

1.5.5. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 मुख्य भाषाओं में से (अंग्रेजी को छोड़कर) दिल्ली में 18 भाषाओं में समाचारपत्रों और पत्रिकाओं का प्रकाशन किया गया। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तराखंड में 17–17 भाषाओं में, कर्नाटक में 15 भाषाओं में, गुजरात में 14, केरल में 13, पश्चिम बंगाल में 12, पंजाब तथा पुदुचेरी में 10–10 भाषाओं में और असम तथा उत्तर प्रदेश में 9–9 भाषाओं में प्रकाशनों का प्रकाशन किया गया।

1.5.6. एक ही भाषा में सर्वाधिक प्रकाशनों (जिन्होंने वार्षिक विवरण जमा किए) का गौरव मध्य प्रदेश को मिला, जहां हिंदी में 4,868 प्रकाशनों का प्रकाशन किया गया। एक ही भाषा में बड़ी संख्या में प्रकाशनों का प्रकाशन करने वाले अन्य राज्य हैं– (i) दिल्ली (हिंदी 1,186) और (अंग्रेजी 529); (ii) आंध्र प्रदेश (तेलुगू 1,755); (iii) गुजरात (गुजराती 1,845); (iv) महाराष्ट्र (मराठी 2,523), (हिंदी 534) और अंग्रेजी (370); (v) उत्तर प्रदेश (हिंदी 4,677) उर्दू (782); (vi) पश्चिम बंगाल (बांग्ला 473); (vii) तमिलनाडु (तमिल 795); (viii) ओडिशा (उड़िया 423); (ix) केरल (मलयालम 322); (x) कर्नाटक (कन्नड़ 1,093); (xi) छत्तीसगढ़ (हिंदी 485); (xii) हरियाणा (हिंदी 297); (xiii) मध्य प्रदेश (हिंदी 4,868); (xiv) तेलंगाना (तेलुगू 589); (xv) उत्तराखंड (हिंदी 1,696) तथा (xvi) राजस्थान (हिंदी 1,529)। *(अध्याय 3, सारणी 3.3)*

प्रसार संख्या का स्वरूप

1.6.1. 32,680 समाचारपत्रों और पत्रिकाओं में से जिन्होंने अपनी प्रसार संख्या का डेटा दिया, 811 वृहद श्रेणी में, 2,566 मध्यम श्रेणी में, 58 अन्य की श्रेणी में और शेष 29,245 लघु श्रेणी में आते हैं। प्रति प्रकाशन दिवस सबसे अधिक प्रसार संख्या, 19,35,19,071 प्रतियों के साथ लघु श्रेणी में आने वाले प्रकाशनों की है। इसके बाद 14,69,56,285 प्रतियों के साथ वृहद श्रेणी और फिर 9,94,54,413 प्रतियों के साथ मध्यम श्रेणी का स्थान है। *(अध्याय 4, सारणी 4.6)*

1.6.2. वृहद श्रेणी में, 648 दैनिक और सप्ताह में दो/तीन बार प्रकाशित होने वाले प्रकाशन थे। दैनिक और सप्ताह में दो/तीन बार प्रकाशित होने वाले मध्यम श्रेणी के प्रकाशनों की संख्या 1,843 थी और लघु श्रेणी के प्रकाशनों की संख्या 7,384 थी। प्रसार संख्या के इनके दावे के अनुसार प्रति प्रकाशन दिवस इनकी श्रेणीवार संख्या क्रमशः 14,69,56,285 प्रतियां, 9,94,54,413 प्रतियां और 19,35,19,071 प्रतियां थी। *(अध्याय 4, सारणी 4.7)*

प्रसार संख्या के स्तर

1.7.1. कोलकाता से प्रकाशित बांग्ला/दैनिक आनंद बाजार पत्रिका, 10,72,342 प्रतियों की प्रसार संख्या के दावे के साथ एकमात्र संस्करण वाला प्रति प्रकाशन दिवस को सबसे अधिक प्रतियां प्रकाशित करने वाला दैनिक समाचारपत्र था। उसके बाद दिल्ली से प्रकाशित अंग्रेजी/दैनिक समाचारपत्र हिंदुस्तान टाइम्स का स्थान रहा जिसने प्रति दिन 8,95,982 प्रतियों के प्रकाशन का दावा किया।

1.7.2. प्रसार संख्या के आधार पर, देश के प्रमुख पांच प्रकाशन इस प्रकार हैं :

क्र. सं	शीर्षक	भाषा	अवधि	प्रकाशन स्थान	राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश	औसत प्रसार संख्या
1	आनंद बाजार पत्रिका	बांग्ला	दैनिक	कोलकाता	पश्चिम बंगाल	1072342
2	हिंदुस्तान टाइम्स	अंग्रेजी	दैनिक	दिल्ली	दिल्ली	895982
3	द टाइम्स ऑफ इंडिया	अंग्रेजी	दैनिक	दिल्ली	दिल्ली	869558
4	द टाइम्स ऑफ इंडिया	अंग्रेजी	दैनिक	मुंबई	महाराष्ट्र	781839
5	एजुकेशन टाइम्स	अंग्रेजी	साप्ताहिक	दिल्ली	दिल्ली	760508

स्रोत : वार्षिक विवरण 2019–2020

स्वामित्व

1.8.1. वर्ष 2019–20 के लिए वार्षिक विवरणों को प्रस्तुत करने वाले 32,680 प्रकाशनों में से, 28,789 का स्वामित्व व्यक्तियों, 697 का समितियों तथा संघों, 573 का न्यासों और 240 का फर्मों और भागीदारों के पास था। प्रकाशन केंद्र और राज्य सरकारों तथा सहकारी समितियों के पास 88 प्रकाशनों का, जबकि शैक्षिक संस्थानों और अन्य के पास शेष 2,293 प्रकाशनों का स्वामित्व था। *(अध्याय 5, सारणी 5.1)*

1.8.2. दावा की गई कुल प्रसार संख्या में व्यक्तियों के स्वामित्व वाले प्रकाशनों की प्रसार सख्या सबसे अधिक थी जो कुल प्रसार संख्या का 68.50 प्रतिशत थी। इसके बाद अन्यों के स्वामित्व वाले प्रकाशनों का स्थान आता है जिनकी प्रसार संख्या कुल प्रसार संख्या का 25.69 प्रतिशत थी। *(अध्याय 5, सारणी 5.5)*

विषय सामग्री

1.9. कुल 22,803 पत्रिकाओं में से, 19,399 की सामग्री में मुख्य रूप से समाचार और ताजा घटनाक्रम शामिल होता है। इनके अलावा विभिन्न विषयों वाली अन्य पत्रिकाएं हैं जैसे कि धर्म तथा दर्शन, चिकित्सा तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त तथा अर्थशास्त्र, साहित्य तथा संस्कृति, बच्चे, महिला, कानून तथा लोक प्रशासन, फिल्म, वाणिज्य, कृषि तथा पशुपालन, विज्ञान, खेल, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी तथा उद्योग आदि *(अध्याय 7, सारणी 7.6)*

सरकारी प्रकाशन

1.10. वर्ष 2019–20 के लिए वार्षिक विवरण दाखिल करने वाले सरकारी प्रकाशनों की सख्या 88 है। इनमें से 37 केंद्र सरकार के और 51 राज्य सरकारों के थे। दिल्ली से प्रकाशित भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित एम्प्लॉयमेंट न्यूज अंग्रेजी/साप्ताहिक केंद्र सरकार का सबसे अधिक प्रसार संख्या वाला समाचारपत्र है। प्रति प्रकाशन दिवस इसकी 3,61,861 प्रतियां प्रकाशित की जाती हैं। *(अध्याय 5, सारणी 5.2)*

पंजीकृत प्रकाशन

1.11.1. पंजीकृत प्रकाशनों की संख्या 31.3.2020 तक बढ़कर 1,43,423 हो गई है, जिसमें से 32,883 (203 विविध प्रकाशनों सहित) ने 2019–20 के लिए अपना वार्षिक विवरण दाखिल किया। वर्ष के दौरान, 1498 नए प्रकाशन पंजीकृत किए गए। इन पंजीकृत समाचारपत्रों का विस्तृत विश्लेषण अध्याय 2 में है।

विविध प्रकाशन

1.12.1. 203 पंजीकृत प्रकाशन, जिनमें सार्वजनिक समाचार या विचार नहीं थे और मुफ्त में प्रसारित किए गए थे या मुख्य संस्करणों के साथ एक मानार्थ प्रति के रूप में दिए गए थे, ने 2019–20 के दौरान अपने वार्षिक विवरण ऑनलाइन दर्ज किए थे। इसलिए, इन प्रकाशनों को प्रेस इन इंडिया के सामान्य अध्ययन में शामिल नहीं किया गया है। अध्याय 10 विशेष रूप से इन प्रकाशनों के विश्लेषण के लिए समर्पित है, जिसमें बाजार रिपोर्टें तथा बुलेटिन, प्रचार पत्रिकाएं, कल्पित कथा और स्कूल तथा कॉलेज पत्रिकाएं आदि शामिल हैं।

1.12.2 इन 203 विविध प्रकाशनों में, जिन्होंने प्रकाशन दिवस पर प्रकाशित किए जाने वाले प्रकाशनों की प्रसार संख्या का डेटा प्रस्तुत किया, इसके अनुसार 12,36,418 प्रतियों की प्रसार संख्या का दावा किया गया था। *(अध्याय 10, सारणी 10.5)*

सारणी 1.1

भारत के समाचारपत्र–2019–20 : एक नजर

(प्राप्त वार्षिक विवरण के अनुरूप संकलित आंकड़े)

क्र.सं.	अवधि	संख्या	प्रसार संख्या
1	दैनिक	9840	258422000
2	साप्ताहिक	11231	107263381
3	पाक्षिक	3016	21902876
4	मासिक	7398	46883382
5	त्रैमासिक	651	2327685
6	छमाही	134	133255
7	वार्षिक	114	1255429
8	अन्य	296	1741761
	योग	32680	439929769
	विविध	203	1236418

स्रोत : वार्षिक विवरण 2019–2020